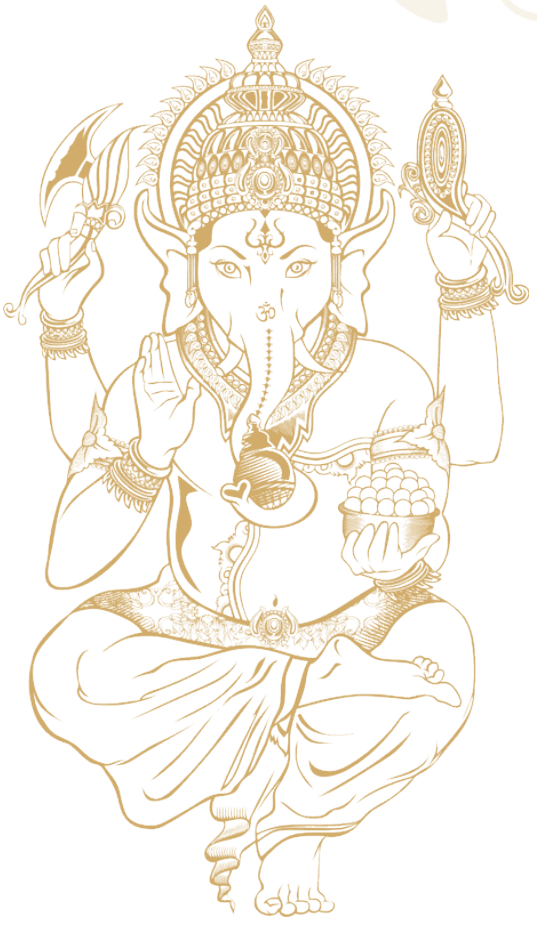

Vasudev Saloni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120852002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/09/1997	जन्म तिथि	27-28/02/2001
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 14:26:00	जन्म समय	01:24:00 घंटे
घटी 20:41:15	जन्म समय(घटी)	46:28:17 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:30	सूर्योदय	06:48:41
18:19:01	सूर्यास्त	18:19:26
23:49:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:08

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 8मा 7दि गुरु 31/05/2024 31/05/2040		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 10मा 0दि सूर्य 29/12/2024 30/12/2030	
		24:15:10	धनु	लग्न	वृश्चि	18:09:13		
		05:33:52	कन्या	सूर्य	कुंभ	15:25:16		
		21:04:56	वृष	चंद्र	मेष	06:01:47		
		01:37:56	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	12:45:01		
गुरु	19/07/2026	19:18:45	सिंह	बुध	मक	21:47:42	सूर्य	18/04/2025
शनि	30/01/2029	18:40:53	मक व	गुरु	वृष	09:09:01	चन्द्र	17/10/2025
बुध	07/05/2031	18:03:17	तुला	शुक्र	मीन	22:13:36	मंगल	22/02/2026
केतु	12/04/2032	24:27:02	मीन व	शनि	वृष	01:14:32	राहु	17/01/2027
शुक्र	12/12/2034	25:52:07	सिंह व	राहु व	मिथु	19:52:14	गुरु	05/11/2027
सूर्य	01/10/2035	25:52:07	कुंभ व	केतु व	धनु	19:52:14	शनि	17/10/2028
चन्द्र	30/01/2037	11:06:43	मक व	हर्ष	मक	27:59:56	बुध	23/08/2029
मंगल	05/01/2038	03:25:57	मक व	नेप	मक	13:34:54	केतु	29/12/2029
राहु	31/05/2040	09:26:37	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:18:57	शुक्र	30/12/2030

लग्न-चलित

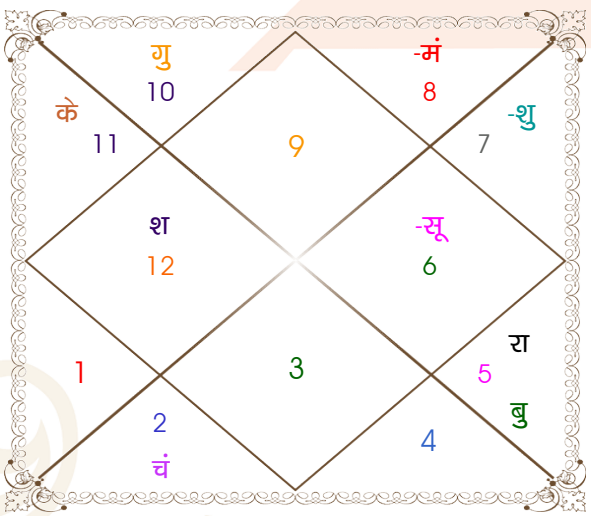

लग्न-चलित

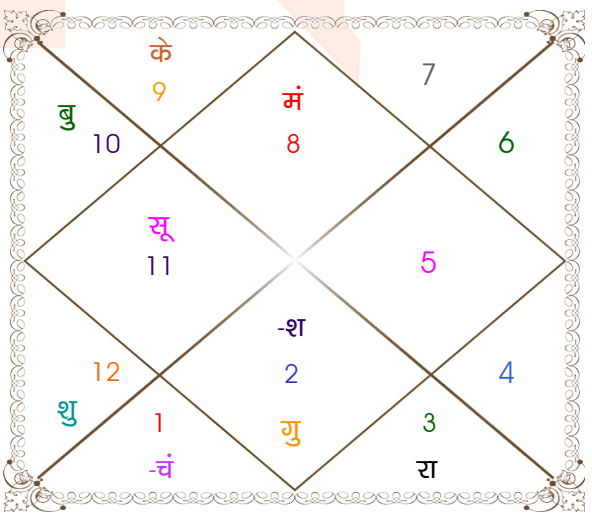

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Vasudev का वर्ग मृग है तथा Saloni का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vasudev और Saloni का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Vasudev मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Vasudev कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Vasudev कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Saloni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saloni कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vasudev तथा Saloni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।